**चंग उमड़ना** — बड़ी बड़ी बात होना। खूब जोर होना। उ०- तहाँ पद्माकर दीजे मिलाय क्यों चंग चवाइन को उमड़ो है। पद्माकर।

**चंग चढ़ना** — बड़ी बड़ी बात होना। खूब जोर होना।

**चंग पर चढ़ाना** — इधर उधर की बातें कहकर किसी को अपने अनुकूल करना। किसी को अभिप्राय साधन के अनुकूल करना। आसमान पर चढ़ा देना। मिज़ाज बढ़ा देना।

**चंगुल में फंसना** — पंजे में फंसना। वश या पकड़ में आना। काबू में होना। कब्जे में आना।

**चंडासा चढ़ाना** — बहुत जल्दी मचाना। उतावली करना।

**चंडूखाने की गप** — मतवालों की झूठी बकवाद। बिल्कुल झूठी बात।

**चंदन उतारना** — पानी के साथ चन्दन की लकड़ी को घिसना जिसमें उसका अंश पानी में घुल जाय।

**चंदन चढ़ाना** — घिसे हुए चन्दन को शरीर में लगाना।

**चंदिया खाना** — बकवाद करना। सिर खाना। सिर में दर्द पैदा करना। सब कुछ हरण करके दरिद्र बना देना।

**चंदिया खुजाना** — सिर खुजलाना। मार या जूते खाने को जी चाहना। मार खाने का काम करना।

**चंदिया पर बाल न छोड़ना** — सिर के बाल तक न छोड़ना। सब कुछ ले लेना। सर्वस्व हरण कर लेना। सिर पर जूते लगाते लगाते बाल उड़ा देना। खूब जूते उड़ाना।

**चंदिया मूंड़ना** — सिर मूंड़ना। हजामत बनाना। लूट कर खाना। धोखा देकर किसी का धन आदि ले लेना। सिर पर खूब जूते लगाना।

जाने के लिए सीधा न पड़ना। घुमाव या

चंदिया से परे सरक — सिर के ऊपर से बला जाकर खड़ा हो। पास से हट जा।

चंवल लगाना — खूब पानी बढ़ना। जलमय होना।

चंवर डलना — ऊपर चंवर हिलाया जाना।

चक काटना — भूमि का विभाग करना। जमीन को हद बांधना।

चक जमना — रंग जमना। अधिकार होना।

चक बंधना — बराबर बढ़ता जाना। एक पर एक अधिक होता जाना। तार बंधना।

चकता मारना — दांत से मांस आदि नोच लेना। बकोटा मारना। दांतों से काट खाना।

चकता मरना — दांतों से काटना। दांतों से मांस निकाल लेना।

चकवा मारना — दांतों से काटना।

चकमा खाना — धोखा खाना। भुलावे में आना।

चकमा देना — धोखा देना। भुलवाना। भ्रान्त करना।

चकाबू में पड़ना — फेर में पड़ना। चक्कर में पड़ना। ऐसी स्थिति में होना जिसमें कर्तव्य सूझ न पड़े।

चक्कर काटना — घूमकर परिधि में घूमना। परिक्रमा करना। मंडराना। भटकना। फेरा करना।

चक्कर खाना — पहिये की तरह घूमना। धुरी पर घूमना। घुमाव फिराव के साथ जाना। सीधे न जाकर टेढ़े मेढ़े जाना। भटकना। भ्रान्त होना। हैरान होना।

चक्कर देना — मंडल बांधकर घूमना। परिक्रमा करना। मंडराना।

चक्कर पड़ना — जाने के लिए सीधा न पड़ना। घुमाव

| | |
|---|---|
| चक्कर बांधना | फेर पड़ना। वज्रपात होना। विपत्ति आना। गाज गिरना। |
| चक्कर मारना | मंडलाकार मार्ग बनाना। वृत्त बनाते हुए घूमना। इस तरह घूमना कि वृत्त बन जाय। |
| चक्कर में आना | पहिये की तरह अक्ष पर घूमना। परिक्रमा करना। चारों ओर घूमना। इधर उधर फिरना। भटकना। |
| चक्कर में डालना | चकित होना। भ्रान्त होना। हैरान होना। दंग रह जाना। धोखे में आना। भुलावे में आना। |
| चक्कर में पड़ना | चकित करना। हैरान करना। कठिनता या असमंजस में डालना। फेर में डालना। ऐसी स्थिति में करना जिसमें यह न सूझ पड़े कि क्या करना चाहिए। |
| चक्कर में पड़ना | असमंजस में पड़ना। दुविधा में पड़ना। कठिन स्थिति में पड़ना। हैरान होना। माथा खपाना। धोखे में पड़ना। भुलावे में पड़ना। |
| चक्कर लगाना | परिक्रमा करना। मंडराना। चारों ओर घूमना। इधर उधर फिरना। फेरा लगाना। आना जाना। घूमना फिरना। |
| चक्की का पाट | चक्की का एक पत्थर। |
| चक्की की मानी | चक्की के नीचे के पाट के बीच में गड़ी हुई वह खूंटी जिस पर ऊपर का पाट घूमता है। ध्रुव। ध्रुव तारा। |
| चक्की झुना | चक्की में हाथ लगाना। चक्की चलाना आरम्भ करना। अपना चरखा शुरू करना। अपना वृत्तान्त आरम्भ करना। अपनी कथा छेड़ना। आप बीती सुनाना। |
| चक्की पीसना | चक्की में डालकर अनाज पीसना। चक्की चलाना। कड़ा परिश्रम करना। बड़ा कष्ट उठाना। |

| | |
|---|---|
| चक्की रहाना | चक्की को टांकी से खोद खोदकर खुरदरा करना जिसमें दाना बच्छी तरह पिसे। चक्की कूटना। |
| चक्र गिरना | वज्रपात होना। विपत्ति आना। |
| चचा बनाकर छोड़ना | खूब बदला लेकर छोड़ना। |
| चचा बनाना | यथोचित दण्ड देना। खूब बदला लेना। दुरुस्त करना। |
| चट कर जाना | सब खा जाना। चाट-पोंछकर खा जाना। पचा जाना। हजम कर लेना। दूसरे की वस्तु लेकर न देना। |
| चट बलाएं लेना | उंगलियां चटकाते हुए (नजर लगाने वाले का नाश मनाते हुए) बलाएं लेना। |
| चट से | जल्दी से। शीघ्र। |
| चटकारे का | चरपरा। मजेदार। तीक्ष्ण स्वाद का। |
| चटखारे भरना | खूब जीभ से चाट चाटकर स्वाद लेना। ओंठ चाटना। स्वाद लेकर खाना। |
| चटनी करना | बहुत महीन पीसना। पीस डालना। चूर चूर कर देना। मार डालना। खा जाना। चाट जाना। |
| चटनी होना | खूब पीस जाना। चट हो जाना। चट पट खा लिया जाना। खाने भर को न होना। चुक जाना। खतम हो जाना। उड़ जाना। |
| चटपट की गिरह | वह फंदा जिसे खींच लेने से चट से गांठ पड़ जाय। सकरमुद्दी। |
| चटपट होना | चटपट मर जाना। थोड़ी ही देर में समाप्त हो जाना। बात की बात में मर जाना। |
| चटर करना | मस्तूल आदि को घुमाना या फेरना। चक्कर देना। |
| चटाके का | बहुत तेज। उग्र। प्रचण्ड। |

| | |
|---|---|
| चट्टो मरना | हानि पूरी करना। |
| चट्टे बट्टे लड़ाना | इधर की उधर लगाकर लड़ाई कराना। चुटकुला छोड़ना। ऐसी बात कहना जिसमें कुछ लोग आपस में लड़ जायँ। |
| चड्ढो गांठना | रौब से दबा देना। किसी पर हावी होना। सवारी करना। |
| चड्ढो देना | हार कर पीठ पर चढ़ाना। |
| चढ़ दौड़ना | चढ़ाई करना। आक्रमण करना। चढ़ जाना। |
| चढ़ बजना | बात बनना। पौ बारह होना। खूब चलती होना उ०- अधर रस मुरली लूटि करावति। आपुन बार बार लै बंचवति जहां तहां ढरकावति। आजु महा चढ़ि बाजी वाकी जोइ कोइ करै विराजै। करि सिंहासन पेठि अधर सिर छत्र धरै वह गाजै। सूर। |
| चढ़ बनना | मनोरथ सफल होना। सुयोग मिलना। लाभ का अवसर हाथ आना। मनचाही होना। बन आना। |
| चढ़ बैठना | सवार हो जाना। दबा लेना। |
| चढ़ती जवानी | यौवनारम्भ। उठती जवानी। |
| चढ़ा लाना | आक्रमण या चढ़ाई के लिए किसी को दल बल सहित साथ लाना। |
| चढ़ावा बढ़ावा देना | जी बढ़ाना। उत्साह बढ़ाना। उसकाना। उत्तेजित करना। |
| चढ़ी उतरी लगाना | बार बार चढ़ना उतरना। |
| चढ़ी ऊपरी लगाना | एक दूसरे से आगे होने या बढ़ने का प्रयत्न करना। होड़ा होड़ी करना। |
| चड़बड़ चड़बड़ करना | बकवाद करना। |
| चतुराई झोलना | चालाकी करना। धोखा देना। उ०- जादु चले गुन प्रगट सूर प्रभु कहा चतुराई झोलत हौ। सूर। |

चतुरई तौलना — चालाकी करना। उ०- बहुनायक बालु मैं जानी कहा चतुरई तौलत हौ। सूर।

चदर पड़ना — नदी के बहते हुए पानी के कुछ अंश का एकदम समतल हो जाना।

चने का मारा मरना — इतना दुर्बल होना कि बहुत जरा सा चोट से मर जाय।

चपटो लड़ाना — दो स्त्रियों का परस्पर योनि मिलाकर रगड़ना

चपत बैठना — हानि होना।

चपत लगना — हानि होना।

चपनो चाटना — बहुत थोड़ा अंश पाकर रह जाना।

चपनो भर पानी में डूब मरना — लज्जा के मारे किसी को मुंह न दिखाना।

चपातो सा पेट — वह पेट जो बहुत निकला हुआ न हो। कृशोदर।

चबा चबा कर बातें करना — स्वर बना बना कर एक एक शब्द धीरे धीरे बोलना। मठार मठार कर बातें करना।

चबा जाना — खा जाना। काट खाना।

चबे को चबाना — एक ही काम को बार बार करना। पिष्टपेषण करना। उ०- बरस पचासक लौं विषय ही में बास कियो तऊ ना उदास भयै चबे को चबाइए।

चमकना। फलकना।

चमक देना — चमकना। फलकना।

चमक लाना — चमक उत्पन्न करना। फलकाना।

चमड़ा उधेड़ना — चमड़े को शरीर से अलग करना। बहुत मार मारना। बहुत कठोर दण्ड देना।

चमड़ा खींचना — चमड़े को शरीर से अलग करना। बहुत मार मारना। बहुत कठोर दण्ड देना।

चमड़ा सिझाना — विशेष प्रक्रिया से चमड़े को मुलायम करना।

चरण छूना — दण्डवत् या प्रणाम करना। बड़े का अभिवादन करना। पांव छूकर प्रणाम करना।

| | |
|---|---|
| चरण देना | पैर रखना। उ०- जेहि गिरि चरण देइ हनुमंता। । तुलसी । |
| चरण पड़ना | आगमन होना। कदम जाना। उ०- जहं जहं चरण पड़े संतन के तंह तंह बंटा धार। तुलसी। प्रवेश होना। |
| चरण लेना | पैर पड़ना। पैर छूकर प्रणाम करना। |
| चरण सेना | तुच्छ से तुच्छ चाकरी बजाना। पैर दबाना। |
| चरणामृत लेना | किसी महात्मा या बड़े के चरण धोकर पीना। बहुत ही थोड़ी मात्रा में कोई तरल पदार्थ पीना। |
| चरब करना | घी, तेल में तलना। घी-तेल लगाना। चिकनाना। |
| चरबांक दीदा | जिसकी दृष्टि चंचल हो। चंचल नेत्रवाला। ढीठ। निडर। शोख। |
| चरबा उतारना | खाका खींचना। नक्शा उतारना। चित्र खींचना। किसी की नकल करना। |
| चरबी चढ़ना | मोटा होना। मद में अंधा होना। |
| चरबी छाना | (किसी मनुष्य या पशु आदि का) बहुत मोटा हो जाना। शरीर में मेद बढ़ जाना। मदान्ध होना। गर्व के कारण किसी को कुछ न समझना। |
| चरी छोड़ना | व्यंग्यपूर्ण या लगती हुई बात कहना। |
| चल निकलना | किसी कार्य में उन्नति करना। किसी विषय में क्रमशः आगे बढ़ना। किसी काम का ढर्रे पर आना। किसी कार्य में सफलता होना। जमना। |
| चल बसना | मर जाना। |
| चल विचल होना | मन का किसी एक बात पर न ठहरना। चित्त का चंचल होना। |
| चलता करना | हटाना। भगाना। भेजना। किसी प्रकार निपटाना। झगड़ा दूर करना। |

| | |
|---|---|
| चलता गाना | वह गाना जो शुद्ध राग रागनियों के अन्तर्गत न हो पर जिसका प्रचार सर्वसाधारण में हो। |
| चलता पुरजा | व्यवहार कुशल। चालाक। चुस्त। व्यवहार तत्पर। उपयोगी। |
| चलता फिरता नजर आना | चला जाना। चलता बनना। |
| चलता बनना | चल देना। प्रस्थान करना। खिसक जाना। |
| चलता हिसाब | लेन देन का लेखा जो जारी हो। |
| चलता होना | चल देना। प्रस्थान करना। खिसक जाना। |
| चलती गाड़ी में रोड़ा अटकाना | होते हुए कार्य में बाधा डालना। |
| चलते बाजू | जब तक अपने पास शक्ति सामर्थ्य रहे। |
| चलते रहते | जब तक अपने पास शक्ति सामर्थ्य रहे। |
| चलते हुए बैल को आर लगाना | ठीक तरह से काम करनेवाले को ~~बीच में इस प्रकार छेड़ना कि उस काम में और भी बाधा हो~~ |
| चलन से चलना | अपने पद और मर्यादा आदि के अनुकूल काम करना। उचित रीति से व्यवहार करना। |
| चश्मदीद गवाह | वह गवाह जिसने घटना आंख से न देखी हो और जो सुनी सुनाई बात कहे। |
| चश्म बद दूर | बुरी नजर दूर हो। बुरी नजर न लगे। |
| चहका लगाना | लूका लगाना। आग लगाना। जलाना। (स्त्रियों की गाली)। |
| चहल कर खाना | बहुत अच्छी तरह खाना। कस कर खाना। उ०- लुचुई पोइ पोइ घी मेई। पाछे चहल खांड़ सों जेई। जायसी। |
| चांड़ सरना | इच्छा पूरी होना। काम पूरा होना। लालसा पूरी होना। उ०- तोरे धनुष चांड़ नहिं सरई। जनित हमहिं कुंवर को बरई। तुलसी। |

| | |
|---|---|
| चांड़ सराना | इच्छा पूरी करना।लालसा मिटना।उ०- पुरूष मवंर दिन चारि आपने अपनी चांड़ सरायी।सूर |
| चांद का टुकड़ा | अति सुन्दर। |
| चांद को गहन लगना | अच्छी,सुन्दर वस्तु में दोष होना। |
| चांद गंजी हो जाना | बहुत मार पड़ना। |
| चांद चढ़ना | चन्द्रमा का ऊपर आना।नया महीना चढ़ना। ऋतु का बीत जाना।गर्भ रहना। |
| चांद ढलना | चन्द्रमा का अस्त होना। |
| चांद दीखे | शुक्ल द्वितिया के पीछे। |
| चांद पर खाक उड़ाना | निर्दोष व्यक्ति या वस्तु में दोष निकालना। साधु चरित जन पर दोष लगाना। |
| चांद पर थूकना | किसी महात्मा पर कलंक लगाना।जिसके कारण स्वयं अपमानि होना पड़े।किसी निर्दोष पर कलंक लगाना। |
| चांद पर धूल उड़ाना | निर्दोष व्यक्ति या वस्तु में दोष निकालना। साधु चरित जन पर दोष लगाना। |
| चांद पर बाल न छोड़ना | सिर पर इतने जूते लगाना कि बाल झड़ जाय। सिर पर खूब जूते लगाना।मूंड़ना।सर्वस्व हरण करना।सब कुछ ले लेना। |
| चांद सा मुखड़ा | अत्यन्त सुन्दर,प्यारा मुख। |
| चांदनी का खेत करना | चन्द्रोदय का प्रकाश क्षितिज पर दिखाई पड़ना। चन्द्रमा के निकलने के पहले उसकी आभा का फैलना। |
| चांदनी खिलना | चन्द्रमा के स्वच्छ प्रकाश का खूब फैलना।शुभ्र ज्योत्सना का फैलना। |
| चांदनी मारना | चांदनी का बुरा प्रभाव पड़ना। |
| चांदी काटना | खूब रूपया पैदा करना।गहरी आय होना। खूब माल मिलना।स्त्री से प्रथम समागम करना। |

| | |
|---|---|
| चांदी कर देना | जला कर राख कर डालना। |
| चांदी का जूता | घूस। उत्कोच। |
| चांदी का पहरा | सुख समृद्धि का समय। सौभाग्य की दशा। धनधान्य से पूर्णता की अवस्था। |
| चांदी की जूती | घूस। उत्कोच। |
| चांदी खुलवाना | चांद के ऊपर के बाल मुड़ाना। |
| चांदी होना | बहुत लाभ होना। माल मिलना। जलकर राख होना |
| चाक करना | चीरना-फाड़ना। |
| चाक चौबन्द | हृष्ट-पुष्ट। तगड़ा। |
| चाक होना | चीरा जाना। फाड़ा जाना। |
| चाकरी बजाना | सेवा करना। |
| चाट जाना | खा डालना। साफ कर देना। |
| चाट पोंछकर खाना | सब खा जाना। कुछ न छोड़ना। |
| चादर उतारना | बेपर्द करना। इज्जत उतारना। अपमानित करना। मर्यादा बिगाड़ना। |
| चादर ओढ़ाना | किसी विधवा को रख लेना। |
| चादर डालना | विधवा से विवाह करना। विधवा को घर में डाल लेना। |
| चादर देखकर पांव फैलाना | वित्त, बिसात देखकर खर्च करना। |
| चादर रखना | सम्मान रखना। कुल की मर्यादा रखना। प्रतिष्ठा का बना रखना। |
| चादर से बाहर पैर फैलाना | अपनी हद से बाहर जाना। अपने वित्त से अधिक खर्च आदि करना। |
| चादर हिलाना | युद्ध में शत्रुओं से घिरे हुए सिपाही का युद्ध रोकने या आत्म-समर्पण करने लिए कपड़ा हिलाना। युद्ध रोकने का झंडा दिखाना। |

| | |
|---|---|
| चाबी देना | कुंजी घुमाकर घड़ी आदि की कमानी को कस देना |
| चाम के दाम चलाना | अपनी जबरदस्ती के भरोसे कोई काम करना। अन्याय करना।अन्धेर करना।उ०- ऊधौ अब कछु कहत न आवै। सिर पै सौति हमारी कुबजा चाम के दाम चलावै। सूर।अधिकार या अवसर पाकर मनमाना अन्धेर करना।उ०- बतियान सुनाय कै सौतिन को छतियान में साल सलाय लै री। सपनेहू न कीजिय मान अये अपने जोबना को बलाय लै री।परमेस जू रूप तरंगन सों अंग अंगन रूप रलाय लै री।दिन चारिक तू पिय प्यारे के प्यार सों चाम के दाम चलाय लै री। परमेश। |
| चार आँखें करना | आँखें मिलाना।देखा देखी करना।सामने आना।साक्षात्कार करना।मिलना। |
| चार आँखें होना | दृष्टि से दृष्टि मिलना।देखा देखी होना।साक्षात्कार होना।बुलिमवा होना।आँखें चार होना। |
| चार की कही | पंचों या लोगों का कहना। |
| चार के कंधे । कांधे चढ़ना | मर जाना।अरथी उठना। |
| चार के कंधे । कांधे चलना | मर जाना।अरथी उठना। |
| चार के कान पड़ना | चर्चा होना।बात का फैलना। |
| चार चांद लगना | चौगुनी प्रतिष्ठा होना।चौगुनी शोभा होना।सौन्दर्य बढ़ना। |
| चार तार | चार थान कपड़े या गहने।कुछ कपड़ा लत्ता या जेवर। |
| चार ताल | चौताला।तबले या मृदंग के एक ताल का नाम। |
| चार दिन | थोड़े दिन।कुछ दिन। |
| चार दिन की चांदनी | दो-चार ही दिन रहने, टिकनेवाली बात।चंदरोजा चीज। |
| चार पकड़ी करना | जहाज का लंगर डालना।जहाज को ठहराना। |

| | |
|---|---|
| चार पांच करना | हीला हवाला करना। इधर उधर करना। बातें बढ़ाना। तकरार करना। |
| चार पांच लाना | हीला हवाला करना। तकरार करना। |
| चार पैसे | कुछ धन। कुछ रुपया पैसा। |
| चारपाई धरना | अत्यन्त रुग्ण होना। |
| चारपाई पकड़ना | अत्यन्त रुग्ण होना। |
| चारपाई पर पड़ना | लेटना। बीमार होना। |
| चारपाई में कान निकलना | चारपाई का टेढ़ा होना। चारपाई में कज पड़ना |
| चारपाई से पीठ लगना | बीमारी के कारण चारपाई से उठ न सकना। सख्त बीमार होना। |
| चारपाई से लगना | बीमारी के कारण चारपाई से उठ न सकना। |
| चारमेखा करना | लिटाकर हाथ पांव खम्भों से बांध देना। |
| चारों खाने चित गिरना | पूरी तरह परास्त हो जाना। (कोई शोक संवाद सुनकर) स्तब्ध हो जाना। हिम्मत हार जाना। |
| चारों फूटना | चारों आंखें फूटना। (दो हिये की, दो ऊपर की)। अंधा होना। उ०- आछो गात अकारथ गार्यो। करी न प्रीति कमल लोचन सों जन्म जुवा ज्यों हार्यो। निसि दिन विषय विलासनि विलसत फूटि गईं तव चार्यो। सूर। |
| चाल खेलना | कुछ चालाकी करना। |
| चाल चलना | धोखा देना देने की युक्ति का कृतकार्य होना। धूर्तता से कार्य सिद्ध होना। धोखा देने का आयोजन करना। चालाकी करना। धूर्तता करना। |
| चाल चूकना | गलत, अपनी ही हानि करनेवाली चाल चलना। |
| चाल फंसना | (शतरंज आदि में) ऐसी चाल चलना कि अपनी ही मुहरा फंस जाय। अपनी चाल में खुद फंस जाना। |

| | |
|---|---|
| चाल मिलना | हिलते डोलने का शब्द सुनाई देना |
| चाल में आना | धोखे में पड़ना। धोखा खाना। प्रतारि |
| चाल सुधारना | आचरण ठीक करना। |
| चाला देखना | यात्रा का मुहूर्त विचारना। |
| चाला निकालना | मुहूर्त निश्चित करना। |
| चालू करना | प्रगति देना। चलाना। |
| चाव निकालना | लालसा पूरी करना। |
| चावल भर | रत्ती के आठवें भाग के बराबर। |
| चाशनी चटाना | मजा चखाना। क्षति पहुंचाना। |
| चाशनी में पागना | मीठा करने के लिए चाशनी में डुबाना। |
| चाहे इधर से नाक पकड़ो चाहे उधर से | चाहे जिस तरह कहो या एक ही है। |
| चिं थां सी | छोटी। बहुत छोटी। |
| चिंउटी की चाल | बहुत सुस्त चाल। मंद गति। |
| चिंउटी की चाल चलना | बहुत धीमी चाल से चलना। |
| चिंउटी के पर निकलना | ऐसा काम करना जिससे मृत्यु हो। मरने पर होना। मृत्यु या विनाश का समय पास आना। |
| चिंटियों से भरा कबाब | झगड़े-झंझट की चीज। मुसीबत का घर। |
| चिंता लगना | चिंता का बराबर बना रहना। |
| चिंदी की चिन्दी | अत्यन्त तुच्छ भूल निकालना। कुतर्क करना। |
| चिंदी की चिंदी करना | किसी वस्तु को ऐसा तोड़ना कि उसके छोटे छोटे टुकड़े हो जायें। |
| चिकना घड़ा | जिस पर कहने सुनने का असर न हो। बेहया। निर्लज्ज। |
| चिकना चुपड़ा | बना ठना। छैल चिकनिया। संवारे हुए। |

| | |
|---|---|
| चाल मिलना | हिलने डोलने का शब्द सुनाई देना। आहट |
| चाल में आना | धोखे में पड़ना। धोखा खाना। प्रतारित होना। |
| चाल सुधारना | आचरण ठीक करना। |
| चाला देखना | यात्रा का मुहूर्त विचारना। |
| चाला निकालना | मुहूर्त निश्चित करना। |
| चालू करना | प्रगति देना। चलाना। |
| चाव निकालना | लालसा पूरी करना। |
| चावल भर | रत्ती के आठवें भाग के बराबर। |
| चाशनी चटाना | मजा चखाना। क्षति पहुंचाना। |
| चाशनी में पागना | मीठा करने के लिए चाशनी में डुबाना। |
| चाहे इधर से नाक पकड़ो चाहे उधर से | चाहे जिस तरह कहो या एक ही है। |
| चिं वां सी | छोटी। बहुत छोटी। |
| चिंउटी की चाल | बहुत सुस्त चाल। मंद गति। |
| चिंउटी की चाल चलना | बहुत धीमी चाल से चलना। |
| चिंउटी के पर निकलना | ऐसा काम करना जिससे मृत्यु हो। मरने पर होन<br>मृत्यु या विनाश का समय पास आना। |
| चिंटियों से भरा कबाब | झगड़े-झंझट की चीज। मुसीबत का घर। |
| चिंता लगना | चिंता का बराबर बना रहना। |
| चिंदी की चिन्दी | अत्यन्त तुच्छ भूल निकालना। कुतर्क करना। |
| चिंदी की चिंदी करना | किसी वस्तु को ऐसा तोड़ना कि उसके छोटे छोटे टुकड़े हो जायें। |
| चिकना घड़ा | जिस पर कहने सुनने का असर न हो। बे<br>निर्लज्ज। |
| चिकना चुपड़ा | बना ठना। छैल चिकनिया। संवार<br>हुए। |

| | |
|---|---|
| चिकना देख फिसल पड़ना | केवल सौन्दर्य या धन देखकर रीफ जाना। धन या रूप पर लुभा जाना। |
| चिकना मुंह | सुन्दर और संवारा हुआ चेहरा। |
| चिकने घड़े पर पानी पड़ना | किसी पर किसी अच्छी बात या उपदेश का प्रभाव न पड़ना। |
| चिकने मुंह का ठग | ऐसा धूर्त जो देखने में और बातचीत से भलमानुस जान पड़ता हो। वंचक। |
| चिचड़ी सा चिमटना | पीछा न छोड़ना। साथ में बना रहना। पिंड न छोड़ना। |
| चिट्ठा बांधना | लेखा तैयार करना। |
| चिट्ठा लड़ाना | झूठा बढ़ावा देना। ऐसी बात कहना जिससे दो आदमियों में झगड़ा हो। |
| चिट्ठी करना | किसी के नाम की हुंडी करना। किसी को रुपये देदेने की लिखित आज्ञा क देना। |
| चिट्ठी डालना | लाटरी डालना। |
| चिढ़ निकालना | ढूंढ कर ऐसी बात कहना जिससे कोई चिढ़े। चिढ़ाने की युक्ति निकालना। छेड़ का ढंग निकालना। कुढ़ाना। खिफाना। |
| चिड़िया का दूध | अप्राप्य वस्तु। अलभ्य वस्तु। ऐसी वस्तु जिसका होना असम्भव हो। |
| चिड़िया के छिनाले में पकड़ा जाना | व्यर्थ की आपत्ति में फंसना। नाहक फंफट में पड़ना। |
| चिड़िया नाका | चारों ओर का तकाजा। चारों ओर की मांग यह बहुत से लोगों का किसी बात के लिए अ... या दबाव। |
| चिड़िया पर नहीं मार सकती | कोई जा नहीं सकता। किसी की ...न सकती। |
| चिड़िया फंसाना | किसी स्त्री को बहकाकर ह...र्श करना। किसी मालदार को दांव घंसे ... |

| | |
|---|---|
| चिकना देख फिसल पड़ना | केवल सौन्दर्य या धन देखकर रीझ जाना। धन या रूप पर लुभा जाना। |
| चिकना मुंह | सुन्दर और संवारा हुआ चेहरा। |
| चिकने घड़े पर पानी पड़ना | किसी पर किसी अच्छी बात या उपेक्षा का प्रभाव न पड़ना। |
| चिकने मुंह का ठग | ऐसा धूर्त जो देखने में और बातचीत से भलमानुस जान पड़ता हो। वंचक। |
| चिपड़ी सा चिपटना | पीछा न छोड़ना। साथ में बना रहना। पिंड न छोड़ना। |
| चिट्ठा बांधना | लेखा तैयार करना। |
| चिट्ठा लड़ाना | झूठा बढ़ावा देना। ऐसी बात कहना जिससे दो आदमियों में झगड़ा हो। |
| चिट्ठी करना | किसी के नाम की हुंडी करना। किसी को रुपये देदेने की लिखित आज्ञा का देना। |
| चिट्ठी डालना | लाटरी डालना। |
| चिढ़ निकालना | ढूंढ कर ऐसी बात कहना जिससे कोई चिढ़े। चिढ़ाने की युक्ति निकालना। छेड़ का ढंग निकालना। कुढ़ाना। खिझाना। |
| चिड़िया का दूध | अप्राप्य वस्तु। अलभ्य वस्तु। ऐसी वस्तु जिसका होना असम्भव हो। |
| चिड़िया के घिनाले में पकड़ा जाना | व्यर्थ की आपत्ति में फंसना। नाहक झंझट में पड़ना। |
| चिड़िया नाच | चारों ओर का तकाजा। चारों ओर की मांग। बहुत से लोगों का किसी बात के लिए अनुरोध या दबाव। |
| चिड़िया पर नहीं मार सकती | कोई जा नहीं सकता। किसी की पहुंच नहीं हो सकती। |
| चिड़िया फंसाना | बहका कर किसी स्त्री को बहकाकर हाथों में कर लेना। किसी मालदार को दांव पर चढ़ाना। |

| | |
|---|---|
| चित करना | कुश्ती में प्रतिपक्षी को पछाड़ना। कुश्ती में पटकना। |
| चित पट करना | इधर या उधर कुछ निर्णय करना। कुछ ते कर डालना। |
| चित पट होना | कुछ ते होना। कुछ निर्णय होना। |
| चित होना | बेसुध होकर पड़ जाना। बेहोश होना। कुश्ती में हार खाना। पछाड़ा जाना। |
| चितवन चढ़ाना | त्योरी चढ़ाना। भौं चढ़ाना। कुपित दृष्टि करना। क्रोध की दृष्टि से देखना। |
| चिता चुनना | शवदाह के लिए लकड़ियों को नीचे ऊपर क्रम से रखना। चिता सजाना। चिता तैयार करना। |
| चिता पर चढ़ना | मरना। |
| चिता में बैठना | सती होने के लिए विधवा का मृत पति की चिता में बैठना। मृत पति के साथ जलना। सती होना। |
| चिता सजाना | शवदाह के लिए लकड़ियों को नीचे ऊपर क्रम से रखना। चिता तैयार करना। |
| चित्त उचटना | जी न लगना। विरक्ति होना। मन उदास होना। |
| चित्त करना | इच्छा होना। जी चाहना। |
| चित्त कौड़ी | वह कौड़ी जिसकी पीठ पर उभड़ी हुई गांठें हों। (इसका व्यवहार जुये में होता है)। उ०- कौड़ी के न काम के आये बिना दाम के। । बेनी । |
| चित्त खींचना | मन को मोहित करना। |
| चित्त चढ़ना | ध्यान पर चढ़ना। मन में बसना। बार बार ध्यान में आना। उ०- तब चित्त चढ़यो जो शंकर कहेऊ। |
| चित्त चिहुंटना | चित्त में संवेदना उत्पन्न करना। मर्म स्पर्श करना। चित्त में चुभना। उ०- लै चुभकी निकसी धंसी विहंसी अंग दिखाय। तकि तकि चित चिहुंटै खरी ऐंठ |

बंगिराय।

चित चुराना — मन मोह लेना। मोहित करना। चित आकर्षित करना। उ०- नैन सैन दै चितहिं चुरावति यहै मंत्र टोना सिर डारि। सूर।

चित देना — ध्यान देना। मन लगाना। गौर करना। उ०- चित दै सुनौ हमारो बात। सूर।

चित धरना — ध्यान देना। मन लगाना। उ०- कहाँ सो कथा सुनौ चित धारि। कहै सुनै सो लहै सुख सारा। सूर। मन में लाना। उ०- हमारे प्रभु चि अवगुन चित न धरौ। सूर।

चित पर चढ़ना — ध्यान पर चढ़ना। मन में बसना। बार बार ध्यान में आना। स्मरण होना। याद पड़ना।

चित बंटना — चित एकाग्र न रहना। ध्यान दो ओर हो जाना। एक विषय की ओर ध्यान स्थिर न रहना। ध्यान इधर उधर होना। चित में बहुत सी चिन्तायें होना।

चित बंटाना — ध्यान इधर उधर करना। ध्यान एक ओर न रहने देना।

चित में घर करना — इतना पसन्द आना कि उसका ध्यान सदा बना रहे। जंचना। अत्यन्त प्रिय होना। प्रेम पात्र होना।

चित में जमना — जी में जमना। हृदय में दृढ़ होना। हृदयंगम होना।

चित में धंसना — जी में जमना। हृदय में दृढ़ होना। मन में धंसना। हृदयंगम होना।

चित में बैठना — जी में जमना। हृदय में दृढ़ होना। मन में धंसना। हृदयंगम होना। उ०- अब हमारे चित बैठ्यौ यह पद होनो होउ सो होउ।

चित में होना — इच्छा होना। जी चाहना। उ०- यह चित होत जाउं मैं अबहीं यहां नहीं मन लागत। सूर।

चित लगना — मन लगना। जी न घबड़ाना। जी न ऊबना। मन की प्रवृत्ति स्थिर रहना।

चिराग से फूल फलना।

| | |
|---|---|
| चित लेना | इच्छा होना। जी चाहना। |
| चित से उतरना | ध्यान में न रहना। विस्मृत होना। भूल जाना। उ०- सूर स्याम चित तें नहिं उतरत वह बन कुंज थली। सूर। दृष्टि से गिरना। प्रिय या आदरणीय न रह जाना। विरक्तिभाजन होना। अप्रिय लगना। अश्रद्धाभाजन होना। नीचा जंचना। |
| चित से न टलना | ध्यान में बराबर बना रहना। न भूलना। उ०- सूर चित तें टरत नाहीं राधिका की प्रीति। सूर। |
| चित होना | इच्छा होना। जी चाहना। उ०- यह चित होत जाउं मैं अबहीं यहां नहीं मन लागत। सूर। |
| चित्र उतारना | चित्र बनाना। तसवीर खींचना। वर्णन आदि के द्वारा ठीक ठीक दृश्य सामने उपस्थित कर देना। |
| चित्र खींचना | चित्र बनाना। तसवीर खींचना। वर्णन आदि के द्वारा ठीक ठीक दृश्य सामने उपस्थित कर देना। |
| चिथड़ा लपेटना | फटे पुराने कपड़े पहनना। |
| चिथड़े चिथड़े हो जाना | बुरी तरह फट जाना। धज्जियां उड़ जाना। |
| चिथड़े लगाना | गरीबी के कारण फटे-चिथे कपड़े पहनने को लाचार होना। बहुत गरीबी आना। |
| चिथड़ों लगना | बहुत दरिद्र होना। इतना दरिद्र होना कि पहनने को केवल चिथड़े ही मिलें। |
| चिनगारी छोड़ना | झगड़ा लगानेवाली बात कहना। ऐसी चाल चलना जिससे एक नई बात खड़ी हो जाय। |
| चिनगारी डालना | आग लगाना। कोई ऐसी बात कह देना जिससे लोग में लड़ाई झगड़ा हो जाय। |
| चिरकवी कर डालना | चिथड़े-चिथड़े कर डालना। फाड़कर टुकड़े-टुकड़े करना। (कागज, कपड़ा आदि)। |
| चिराग गुल करना | चिराग बुझाना। |
| चिराग का हंसना - हंसना | चिराग से फूल झड़ना। |

| | |
|---|---|
| चिराग को हाथ देना | चिराग बुझाना। |
| चिराग गुल करना | दीपक बुझाना। किसी के वंश का विनाश करना। रौनक मिटाना। |
| चिराग गुल पगड़ी गायब | निगाह फिरते ही माल का गायब कर दिया जाना। |
| चिराग गुल होना | दीपक का बुझ जाना। रौनक मिटना। उदासी छाना। किसी के वंश का विनाश होना। (घर का) किसी प्रिय व्यक्ति का मरना। |
| चिराग जले | अंधेरा होने पर। सन्ध्या समय। |
| चिराग ठंढा करना | दिया बुझाना। |
| चिराग तले अंधेरा | रखवाले के सामने चोरी। किसी ऐसे स्थान पर बुराई होना जहां उसके रोकने का प्रबन्ध हो। किसी ऐसे मनुष्य द्वारा कोई बुराई होना जिससे उसकी सम्भावना न हो। ज्ञानी के घर में घोर मूर्खता का आचरण होना। |
| चिराग दिखाना | रोशनी दिखाना। सामने उजाला करना। |
| चिराग पा होना | घोड़े का कड़क होना। |
| चिराग बढ़ाना | दिया बुझाना। |
| चिराग बत्ती करना | दीपक जलाना। दीपक जलाने की तैयारी करना। |
| चिराग बत्ती का वक्त | सन्ध्या का समय। |
| चिराग लेकर ढूंढना | बड़ी छान-बीन के साथ ढूंढना। चारों ओर हैरान होकर ढूंढना। |
| चिराग से चिराग जलता है | एक के गुण आदि से दूसरे को ज्ञान फूंकता है। |
| चिराग से फूल झड़ना | चिराग की जलती हुई बत्ती में गोल गोल फूल से निकलना या गिरना। चिराग से गुल झड़ना। |
| चिरायंध फैलना | बदनामी फैलना। |
| चिलम चढ़ाना | चिलम पर तम्बाकू (गांजा आदि) और आग रख कर पीने के लिए तैयार करना। गुलामी करना। |

| | |
|---|---|
| चिलम पीना | हुक्का,तम्बाकू पीना। |
| चिलम भरना | चिलम पर तम्बाकू (गांजा आदि)और आग रखकर उसे पीने के लिए तैयार करना।गुलामी करना। |
| चिल्ला खींचना | चालीस दिनों का अनुष्ठान करना। |
| चिल्ले का जाड़ा | बहुत कड़ी सरदी।चालीस दिन का बंधेज या किसी पुण्य कार्य का नियम। |
| चीं बकरी होना | रूष्ट होना। |
| चीं बरजबीं होना | रूष्ट होना। |
| चीं बोलना | अयोग्यता,अकर्मण्यता या अधीनता स्वीकार करना। दबैल होना।हार मान लेना। |
| चीख मारना | चिल्लाना।जोर से कराहना। |
| चीरा उतारना | (किसी पुरूष का स्त्री के साथ)प्रथम समागम करना।कुमारी का कौमार नष्ट करना। |
| चील का मूत | वह चीज जिसका मिलना बहुत कठिन प्राय: असम्भव हो। |
| चुकौता लिखना | भरपाई का कागज लिखकर देना।कर्ज चुकता पाने की रसीद देना।भरपाई करना। |
| चुगली खाना | पीठ पीछे निंदा,बुराई करना। |
| चुटकियों में | चुटकी बजाते।दम भर में। |
| चुटकियों में उड़ाना | बात की बात में निपटाना।अत्यन्त तुच्छ या सहज समझना।कुछ न समझना।कुछ परवाह न करना। खेल समझना। |
| चुटकी काटना | चुभती या लगती हुई बात कहना।हंसी उड़ाना। व्यंग्य वचन बोलना। |
| चुटकी देना | चुटकी बजाना।उ०, जो मूरत जल थल में व्यापक निगम न खोजत पाई।सो मूरति तू अपने आंगन चुटकी दे दे नचाई सूर।सीख देना। |

| | |
|---|---|
| चुटकी बजाते | ~~उतनी देर में जितनी देर में चुटकी बजती है।~~ चट पट। देखते देखते। बात की बात में। |
| चुटकी बजाना | अंगूठे को बीच की उंगली पर रखकर जोर से झटका कर शब्द निकालना। |
| चुटकी बजानेवाला | खुशामदी। चापलूस। |
| चुटकी बैठना | किसी ऐसे काम का अभ्यास होना जो चुटकी से पकड़ कर किया जाय। |
| चुटकी भर – थोड़ा सा, जरा सा। | |
| चुटकी भरना | चुटकी काटना। चुभती या लगती हुई बात कहना। हंसी उड़ाना। व्यंग्य वचन बोलना। चुटकी लेना। |
| चुटकी मांगना | भिक्षा मांगना। |
| चुटकी लगाना | चुटकी से पकड़ना। कपड़े के थान को उंगलियों से फाड़ना। थान पर से कपड़ा उतारना। जेब काटना। दूध दुहने के लिए चुटकी से गाय का थन पकड़ना। चुटकी से पत्तों को मोड़कर दोना बनाना। |
| चुटकी लेना | हंसी उड़ाना। ठट्ठा करना। उपहास करना। व्यंग्य व्यंग्य वचन बोलना। चुभती या लगती बात कहना। चुटकी से खोदना। उ०- बार बार कर गहि गहि निरखत घूंघट ओट करो किन न्यारो। कबहुंक कर परसत कपोल छुइ चुटकि लेत ह्या हमहिं निहारो। । सूर । |
| चुटकुला छोड़ना | विलक्षण बात कह बैठना। दिल्लगी की बात कहना। कोई ऐसी बात कहना जिससे एक नया मामला खड़ा हो जाय। |
| (किसी की) चुटिया हाथ में होना | अपने वश या कब्जे में होना। |
| चुनचुना लगना | मलद्वार में कृमियों के काटने के कारण जलन और खुजली होना। |
| चुना हुवा | बढ़िया। उत्तम। श्रेष्ठ। |
| चुन्नी रचना | मस्तक और कपोलों पर सितारे या चमकी लगाना |

| | |
|---|---|
| चुप साधना | मौनावलम्बन करना। |
| चुप मारना | मौन होना। |
| चुपका करना | बोलने न देना। चुप होना। मौन रहना। |
| चुपकी लगाना | मुंह से बात न निकालना। सन्नाटे में रहना। उ०- ऐसी मीठी कुछ नहीं जैसी मीठी चुप। कबीर। |
| चुपके से | मौन। बिना किसी से कुछ कहे सुने। छिपाकर। गुप्त रूप से। चुपचाप। शान्त भाव से। |
| चुप्पी साधना | मौन हो रहना। चुप लगा लेना। |
| चुर मुर होना | 'चुरमुर' की आवाज के साथ टूटना। चूर होना। |
| चुल उठना | खुजलाहट होना। प्रसंग की इच्छा होना। |
| चुल मिटना | कामवासना तृप्त करना। |
| चुल्लुभर लहू पीना | बहुत सताना। |
| चुल्लू भर पानी में डूब मरना | लज्जा के मारे मर जाना। शर्म के मारे मुंह न दिखा सकना। |
| चुल्लू भर पानी में डूब मरो | मुंह न दिखाओ। लज्जा के मारे मर जाओ। |
| चुल्लू भर लहू पीना | दुश्मन को कतल कर चुल्लु भर खून पीना (पुराने जमाने की एक चाल)। |
| चुल्लू में उल्लू बनना | बहुत थोड़ी सी भांग या शराब में बेसुध हो जाना |
| चुल्लू में समुद्र न समाना | छोटे पात्र में बहुत वस्तु न आना। कुपात्र या क्षुद्र मनुष्य से कोई बड़ा या अच्छा काम न हो सकना। |
| चूं करना | कुछ कहना। नाम मात्र का प्रतिवाद करना। विरोध में कुछ कहना। |
| चूं चूं का मुरब्बा | तरह तरह की बेमेल चीजों का योग। |
| चूं न करना | तनिक भी उज्र, आपत्ति न करना। |
| चूची पीता | बहुत छोटा (बच्चा)। नासमझ। नादान। |

| | |
|---|---|
| चूड़ियां ठंडी करना | पति के मरने के समय स्त्री का उसकी चूड़ियां उतारना या तोड़ना। वैधव्य का चिन्ह धारण करना। स्त्रियों का नयी चूड़ियां पहनने के लिए पुरानी चूड़ियां तोड़ना। |
| चूड़ियां तोड़ना | स्त्री के विधवा होने पर चूड़ियां तोड़ देना। |
| चूड़ियां पहनना | स्त्रियों का वेष धारण करना। औरत बनना। स्त्रियों की तरह कायर बनना। स्त्री का किसी को अपना उप पति बना लेना। स्त्री का किसी के घर बैठ जाना। विधवा का फिर से ब्याह करना। |
| चूड़ियां पहनाना | विधवा स्त्री से विवाह करना। |
| चूड़ियां बढ़ाना | चूड़ियां उतारना। (चूड़ियों के साथ 'उतारना' शब्द का प्रयोग स्त्रियों में अशुक्ति और अशुभ माना जाता है)। |
| चूड़ी टूटना | पति का मरना। |
| चूतड़ दिखाना | कठिन समय पर भाग जाना। पीठ दिखाना। |
| चूतड़ पीटना | बहुत प्रसन्न होना। |
| चूतड़ बजाना | बहुत प्रसन्न होना। |
| चूतड़ों का लहू मरना | एक स्थान पर जम कर बैठने के योग्य होना। |
| चूना छूना | दीवारों पर चूने की सफेदी करना। |
| चूना देना | धोखा देना। |
| चूना फेरना | सफेदी करना। |
| चूना लगाना | खूब धोखा देना। हानि पहुंचाना। बहुत लज्जित करना। बेवकूफ बनाना। |
| चूप कर छोड़ देना | किसी भारी कार्य को आरम्भ करके या किसी वस्तु को छूकर बिना उसका उपयोग किये छोड़ देना। |
| चूमा चाटना | चूमना। प्यार करना। |

| | |
|---|---|
| चूर चूर करना | किसी पदार्थ को तोड़ फोड़ कर उसके बहुत छोटे छोटे टुकड़े करना।नष्ट कर देना। |
| चूलें ढीली होना | अधिक परिश्रम के कारण बहुत थकावट होना। पस्त होना। |
| चूल्हा जलना | भोजन बनना। |
| चूल्हा जलाना | भोजन बनाना। |
| चूल्हा न्यौतना | घर के सब लोगों को निमंत्रण देना। |
| चूल्हा फूंकना | भोजन पकाना। |
| चूल्हे में जाय | नष्ट भ्रष्ट हो जाय। |
| चूल्हे में डालना | नष्ट भ्रष्ट करना।दूर करना। |
| चूल्हे में पड़े | नष्ट भ्रष्ट हो जाय।अस्तित्व मिट जाय। |
| चूल्हे से निकलकर भट्ठी में पड़ना | छोटी विपत्ति से निकलकर बड़ी विपत्ति में फंसना। |
| चैक काटना | चैक लिखकर देना। |
| चेता भूलना | ध्यान न रहना।स्मरण न रहना। |
| चेलहाई करना | भेंट और पूजा आदि संग्रह करने के लिए चेलों में घूमना। |
| चेला मूंड़ना | चेला बनाना। शिष्य बनाना। |
| चेहरा उड़ना | लज्जा,भय आदि से मुख का रंग बदलना। |
| चेहरा उतरना | लज्जा,शोक,चिन्ता या रोग के कारण किसी चेहरे का तेज जाते रहना।मुख मलीन होना।मुख पर उदासी छाना। |
| चेहरा तमतमाना | गर्मी या क्रोध आदि के कारण चेहरे का लाल हो जाना। |
| चेहरा पीला हो जाना | रोग,भय आदि के कारण चेहरे पर पीलेपन की फलक आ जाना। |

| | |
|---|---|
| चेहरा बिगड़ना | मार खाने के कारण चेहरे की रंगत फीकी पड़ जाना। |
| चेहरा बिगाड़ना | इतना मारना कि सूरत पहचानी न जाय। बहुत मारना। |
| चेहरा लिखाना | (सेना में) नौकरी करना। |
| चेहरा सफेद हो जाना | रोग या भय के कारण चेहरे पर सफेदी आ जाना। उसकी चमक, सुर्खी का गायब हो जाना। |
| चेहरा होना | फौज में नाम लिखा जाना। |
| चेहरे पर मुर्दनी छाना | मुख पर मृत्यु के चिन्ह प्रकट होना। अत्यधिक निराश या उदास होना। |
| चेहरे पर हवाइयां उड़ना | आश्चर्य या विस्मय होना। भय, ग्लानि से चेहरे का रंग उड़ जाना। |
| चैन उड़ाना | चैन करना। आनन्द करना। |
| चैन की वंशी बजाना | बड़े आनन्द से दिन बिताना। |
| चैन पड़ना | शान्ति मिलना। सुख मिलना। कल मिलना। |
| चैन से कटना | सुख पूर्वक समय बीतना। आराम से जिन्दगी बसर होना। |
| चैन से गुजरना | आराम से जिन्दगी बसर होना। |
| चोंच बन्द करना | मुंह बन्द करना। चुप हो जाना। |
| चोंडे पर (कोई काम करना) | सिर पर चढ़कर या सामने होकर (कोई काम करना)। |
| चोंथ लगाना | हग कर गुह का ढेर लगाना। |
| चोट उभरना | चोट में फिर से पीड़ा होना। चोट खाये हुए स्थान का फिर से दर्द करना। |
| चोट करना | हमला या प्रहार करना। (हिंस्र जंतु का) काटना, डंसना। |
| चोट खाना | आघात सहना। प्रहार सहना। घायल होना। |

| | |
|---|---|
| चोट खाली जाना | वार का निशाने पर न बैठना। आक्रमण व्यर्थ होना। |
| चोट पर चोट पड़ना | दुःख पर दुःख होना। हानि पर हानि होना। |
| चोट बचाना | चोट न लगने देना। |
| चोटी कटाना | वश में होना। गुलाम बनना। |
| चोटी कतरना | वश में करना। अधीन करना। |
| चोटी करना | सिर के बालों को एक में मिलाकर गूंथना। |
| चोटी का | सबसे बढ़िया या अच्छा। सर्वोत्तम। |
| चोटी बंधना | दबाव में होना। काबू में होना। |
| चोटी हाथ में होना | दबाव में होना। काबू में होना। |
| चोटें चलना | दो आदमियों का एक दूसरे पर (शब्द या शस्त्र से) वार करना। |
| चोभा देना | औषधि को पोटली में बांधकर उससे शरीर के किसी पीड़ित अंग को सेंकना। |
| चोर पड़ना | चोर का कुछ आकर चुरा ले जाना। |
| चोर पर मोर पड़ना | धूर्त से धूर्तता होना। चालाक के साथ चालाकी होना। |
| चोरी चोरी | छिपाकर। गुप्त रूप से। |
| चोरी लगना | चोरी के दोष का आरोपण होना। |
| चोला छोड़ना | मरना। प्राण त्यागना। |
| चोला बदलना | एक शरीर परित्याग करके दूसरा शरीर धारण करना (साधुओं की बोली)। नया स्वरूप धारण करना। रूप बदलना। |
| चोली दामन का साथ | कभी न छूटनेवाला साथ। |
| चोले दामन का साथ | कभी न छूटनेवाला साथ। |
| चौंर ढलना | सिर पर चंवर हिलाया जाना। |

| | |
|---|---|
| चौंर ढालना | सिर पर चौंर हिलाना। |
| चौक पूरना | जमीन पर पूजा के लिए या मंगल अवसरों पर आटे, अबीर आदि से चौकोर चित्रण या अंकन करना। |
| चौकड़ी भूल जाना | एक भी चाल न सूझना।बुद्धि का काम न करना। किंकर्तव्य विमूढ़ होना।सिटपिटा जाना।घबरा जाना।भौचक्का रह जाना। |
| चौका पोतना | लीप-पोत कर बराबर करना।सत्यानाश करना। चौपट करना। |
| चौका बरतन करना | बरतन मांजने और रसोई का घर लीपने पोतने का काम करना। |
| चौका देना,फेरना या लगाना | लीप-पोत कर बराबर करना।सत्यानाश करना। चौपट करना।उ०- कियो तीन तेरह सबै चौका चौका लाय। हरिश्चन्द्र । ।किसी स्थान को गोबर या मिट्टी से लीपना। |
| चौकी जाना | कसब कमाने जाना।सवीं पर जाना। |
| चौकी देना | बैठने के लिए कुरसी देना।कुरसी पर बिठाना। पहरा देना।रखवाली करना। |
| चौकी भरना | पहरा पूरा करना।अपनी बारी के अनुसार पहरा किसी देवी या देवता के दर्शनों को मन्नत के अनुसार जाना। |
| चौखट न फांकना | (किसी के घर)कभी न आना। |
| चौखट लांघना | घर के भीतर या बाहर जाना। |
| चौंद पारना | बचाव करना।बदनामी करना। |
| चौथी का जोड़ा | वह जोड़ा या लहंगा जो वर के घर से आता है और जिसे दुलहिन चौथी के दिन पहनती है। |
| चौथी खेलना | विवाह के चौथे दिन दूल्हा दुलहिन का एक दूसरे के ऊपर मेवे,फल आदि फेंकना। |
| चौथी छुड़ाना | चौथी की रीति करना। |

| | |
|---|---|
| चौथो छूटना | चौथो के दिन वर कन्या के हाथों के कंगन खुलना। चौथो की रीति होना। |
| चौपड़ पड़ना | चौपड़ खेलने लिए उसको बिसात बिछाना। |
| चौपहरा देना | चार चार पहर के अन्तर पर घोड़े से काम लेना। |
| चौमुखा दिया जलाना | दिवाला निकालना। दिवालिया बनना। |
| चौरंग उड़ाना, करना, काटना | तलवार आदि से किसी चीज को बहुत सफाई से काटना। एक में बंधे हुए ऊंट के चारों पैर को तलवार के एक हाथ में काटना। |
| चौरासी में पड़ना, परना | निरन्तर कई प्रकार के शरीर धारण करना। आवागमन के चक्र में पड़ना। उ०- चौरासी पर नाचत अस उपदेसत छबिधारी। देवस्वामी । |
| चौवा करना | चार उंगलियों में तागा आदि लपेटना। |